

मानव जीवन में सफल होने के लिए भावनात्मक बुद्धिमत्ता की उपयोगिता

दलीप सिंह शेखावत, सहायक प्रोफेसर, शिक्षा शास्त्र, सेठ जी. बी. पोंदार टी. टी. कॉलेज, नवलगढ़

सारांश

भावनात्मक बुद्धिमत्ता एक व्यक्ति खुद की भावनाओं के साथ-साथ दूसरो की भावनाओं को प्रबंधित करने, एक्सेस करने और नियंत्रित करने की क्षमता है। मानव जीवन के अनुभवन सबसे बुनियादी पहलुओं में से एक भावनाओं को अनुभव करने की हमारी क्षमता है। भावनाओं के बिना, हमारा अस्तित्व एक आयामी होगा, और कहीं नहीं होगा जीवंत करने के लिए और जैसा है वेसा ही समृद्ध है। शोध के अनुसार भावनात्मक बुद्धिमत्ता व्यक्तिगत और संगठनात्मक स्तर पर सफलता महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसके महत्व को उजागर करने वाले शोध के बढ़ते शरीर के साथ भावनात्मक बुद्धि व्यक्तिगत विकास, नेतृत्व और समग्र कल्याण का एक महत्वपूर्ण घटक बन गई है। इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य पियर्सन सहसंबंध पद्धति का उपयोग करके भावनात्मक बुद्धिमत्ता और परिवर्तनकारी नेतृत्व शैली के बीच संबंधों की प्रकृति का पता लगाना था। जिन्होंने भावनात्मक बुद्धिमत्ता के विज्ञान की अवधारणा को लोकप्रिय बनाया और इसे अपने अकादमिक शिखर पर पहुँचाया। यह तर्क देने के लिए शोध का खजाना तैयार किया कि सफल नेताओं भावनात्मक बुद्धिमत्ता या आत्म-जागरूकता, आवेग नियंत्रण, दृढ़ता, आत्मविश्वास, आत्म के गुणों की आवश्यकता होती है।

मुख्य शब्दावली :- भावनात्मक, बुद्धि, उपयोगिता, संवेग।

